वर्ष :-1 अंक:-308 22,दिसंबर,2025 सोमवार

अपना शहर अपना खबर

अपना नालन्दा

नालंदा का नंबर -1 डिजिटल अखबार www.apnanalanda.com

करायपरसुराय में मंत्री श्रवण कुमार का जोरदार स्वागत, ग्रामीण समस्याओं और विकास पर संवाद

करायपरसुराय (अपना नालंदा)। प्रखंड के बेरथू गांव स्थित खेल मैदान में रविवार को एक भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। समारोह में बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार, सांसद कौशलेंद्र कुमार, हिलसा विधायक कृष्ण मुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया, विधान परिषद सदस्य रीना यादव, पूर्व ई. सुनील कुमार एवं पूर्व विधान पार्षद राजू यादव का गर्मजोशी से अभिनंदन किया गया।

अतिथियों का स्वागत फूल-मालाओं और अंगवस्त्र भेंट कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। ग्रामीणों ने सड़क, नल-जल, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, कृषि एवं रोजगार से जुड़ी समस्याएं रखीं, जिस पर अतिथियों ने समाधान का आश्वासन दिया।

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने जन सुराज पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार की महिलाओं को गुमराह करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मंत्री ने बताया कि जीविकाके माध्यम से आजीविका उपार्जन योजना के तहत लगभग दो लाख महिलाओं को रोजगार से जोड़ा गया है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जिन महिलाओं को अब तक 10 हजार रुपये की सहायता राशि नहीं मिली है, उन्हें 31 दिसंबर तकराशि उपलब्ध करा दी जाएगी। इसके बाद रोजगार के लिए इच्छुक महिलाओं को सरकार की ओर से दो लाख रुपये तक की सहायता दी जाएगी।

सांसद कौशलेंद्र कुमार ने केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए विकास कार्यों को निरंतर जारी रखने की बात कही। विधायक प्रेम मुखिया और विधान परिषद सदस्य रीना यादव ने भी क्षेत्रीय विकास और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।कार्यक्रम की अध्यक्षता विजय बहादुर सिंह ने की, जबकि मंच संचालन राजीव कुमार कुशवाहा ने किया।

मौके पर जेडीयू जिला अध्यक्ष मो अरशद जी,प्रखंड अध्यक्ष अगम कुमार, हिलसा मुख्य पार्षद धनंजय कुमार, युवा नेता विकास कुमार, जिला परिषद सदस्य अजय कुमार, बेरथू पैक्स अध्यक्ष विजय कुमार, मखदुमपुर पैक्स अध्यक्ष अजीत कुमार उर्फ टुनटुन, जदयू युवा अध्यक्ष दीपक कुमार, राकेश कुमार मौर्य, आषाढ़ी के पूर्व पैक्स अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार, पवन कुमार, दिलीप कुमार विद्यार्थी,हिलसा प्रखंड अध्यक्ष कुन्दन कुमार सहित बड़ी संख्या में जदयू कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद थे।

कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

समारोह शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने राजगीर में नालंदा साहित्य महोत्सव का किया उद्घाटन

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। वैश्विक ज्ञान और संस्कृति की आदि भूमि राजगीर स्थित आरआईसीसी में आयोजित पांच दिवसीय नालंदा साहित्य महोत्सव का भव्य उद्घाटन राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, पद्मभूषण डॉ. सोनल मानसिंह, सांसद-लेखक शशि थरूर, नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सचिन चतुर्वेदी, नव नालंदा महाविहार के कुलपति प्रो. सिद्धार्थ सिंह एवं चेयरपर्सन डी आलिया द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर नालंदा साहित्य महोत्सव से जुड़ी एक विशेष संकलन का भी लोकार्पण किया गया।

महोत्सव में भारत सहित ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, श्रीलंका, जापान, थाईलैंड, म्यांमार, बांग्लादेश, नेपाल, मॉरीशस समेत कई देशों के विद्वान, बौद्ध भिक्षु-भिक्षुणी एवं साहित्यप्रेमी भाग ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र में साहित्य, संस्कृति और भारत की ज्ञान परंपरा की वैश्विक महत्ता पर गहन विमर्श हुआ।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने अपने संदेश में कहा कि वर्ष 2010 में स्थापित नालंदा विश्वविद्यालय के विकास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि "विकसित भारत 2047" के लक्ष्य को प्राप्त करने में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार की निर्णायक भूमिका होगी। यह महोत्सव साहित्य के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल आर्काइव, स्टोरी टेलिंग, नैतिकता और साइंस कम्युनिकेशन जैसे समकालीन विषयों को भी मंच देता है।

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा सत्य, करुणा और सह-अस्तित्व पर आधारित रही है। उन्होंने कहा कि नालंदा और राजगीर केवल ऐतिहासिक स्थल नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के बौद्धिक विकास के जीवंत प्रतीक हैं। आज के वैश्विक वैचारिक संघर्ष के दौर में नालंदा की विचारधारा और भी प्रासंगिक हो गई है।

पद्मभूषण डॉ. सोनल मानसिंह ने इसे "नालंदा संस्कृति महोत्सव" बताते हुए कहा कि साहित्य के साथ नृत्य, संगीत और कला का संगम इस आयोजन को विशिष्ट बनाता है। वहीं डॉ. शशि थरूर ने कहा कि नालंदा केवल अतीत नहीं, बल्कि एक जीवंत बौद्धिक परंपरा है, जहां संवाद और विमर्श के माध्यम से ज्ञान का सृजन होता रहा है।

नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सचिन चतुर्वेदी ने कहा कि यह महोत्सव भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक संदर्भों में पुनर्स्थापित करने का सशक्त प्रयास है। नव नालंदा महाविहार के कुलपति प्रो. सिद्धार्थ सिंह ने इसे ज्ञान और नैतिकता की विरासत को पुनर्जीवित करने वाला मंच बताया।

आयोजक गंगा कुमार ने कहा कि महोत्सव का उद्देश्य पारंपरिक साहित्य और आधुनिक विज्ञान को जोड़कर युवाओं को ज्ञान, नैतिकता और रोजगार के नए अवसर प्रदान करना है। चेयरपर्सन डी आलिया ने स्वागत भाषण में बताया कि महोत्सव के दौरान पैनल चर्चा, संस्कृति, कला, विज्ञान, खानपान और ध्यान सहित विविध गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

लीफ आर्ट से मधुरेंद्र कुमार ने महान शिल्पकार राम सुतार को श्रद्धांजलि दी अनूठी

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। भारत के महान और विश्वविख्यात मूर्तिकार राम सुतार के निधन की खबर मिलते ही कला जगत में शोक की लहर दौड़ गई। इस दुखद समाचार से भावुक होकर अंतरराष्ट्रीय सैंड एवं लीफ आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार ने नालंदा में आयोजित तीन दिवसीय राजगीर महोत्सव के दौरान अपनी अनोखी कला के माध्यम से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मधुरेंद्र कुमार ने जंगली पेड़ों के हरे पत्तों पर लीफ आर्ट तैयार कर दिवंगत शिल्पकार को नमन किया। करीब तीन घंटे के कठिन परिश्रम के बाद उन्होंने तेजधार नुकीले चाकू से पत्तों को बेहद बारीकी से काटते हुए राम सुतार का अत्यंत सूक्ष्म और जीवंत चित्र उकेरा। इस कलाकृति पर उन्होंने भावुक शब्दों में लिखा— "अलविदा शिल्पकार राम सुतार", जिसे देखकर दर्शक भावविभोर हो उठे।

इस अवसर पर मधुरेंद्र कुमार ने कहा कि एक कलाकार होने के नाते राम सुतार के निधन से वे गहरे दुखी हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैचू ऑफ यूनिटी के शिल्पकार का जाना न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

उन्होंने बताया कि राम सुतार द्वारा निर्मित गुजरात में सरदार वल्लभभाई पटेल की स्टैचू ऑफ यूनिटी तथा पटना के गांधी मैदान में स्थापित दो बच्चों के साथ मुस्कुराते महात्मा गांधी की 72 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा भारतीय कला और इतिहास की अमूल्य धरोहर हैं, जो सदैव स्मरणीय रहेंगी।राजगीर महोत्सव में उपस्थित दर्शकों और कला प्रेमियों ने मधुरेंद्र कुमार की इस भावनात्मक लीफ आर्ट को देखकर महान शिल्पकार राम सुतार को श्रद्धांजलि दी। कला के माध्यम से दी गई यह श्रद्धांजलि लोगों के दिलों को छू गई और पूरे महोत्सव परिसर में भावुक माहौल बन गया।

उद्घाटन सत्र में साहित्य, संस्कृति और भारत की ज्ञान परंपरा की वैश्विक महत्ता पर गहन विमर्श हुआ।

apnanalandaofficial881@gmail.com 9031468165

SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....
APPROVED RERA APPROVED
"BOOKINGS ARE NOW OPEN !"
BOOK 3BHK PREMIUM FLAT
Project Registration Number
BRERAP19200101102525O432E00
₹ 4251/*SQ.FT.
60% Free Area
COMFORT, LUXURY WELLNESS
Amenities
Swimming Pool
Vastu Compliant Design
Kids' Play Area
Volleyball / Badminton Court
Cricket net pitch
Landscape & Roof Top Garden
Temple in Premises
Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
100% Power Backup
Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
EV Reserved Car Parking
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004, 7280027960
60018 06049, 96615 74892
Contact us today to book your site visit!

अपना शहर अपना खबर
अपना नालन्दा
सोमवार
22,दिसंबर,2025

एनसीसी कैडेटों की सक्रियता से बिहारशरीफ में पल्स पोलियो अभियान मजबूत

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। 38 बिहार बटालियन एनसीसी, बिहारशरीफ के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल राजेश बहरी के निर्देशानुसार सदर अस्पताल, बिहारशरीफ के स्वास्थ्य कर्मियों के सहयोग से पल्स पोलियो अभियान (16 से 20 दिसंबर, 2025) का सफल संचालन किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाकर उनकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना तथा पोलियो जैसी घातक बीमारी का पूर्ण उन्मूलन सुनिश्चित करना है।

अभियान का संचालन सूबेदार मेजर ललिंद्र टिंगा के निर्देशन में किया गया, जिसमें 38 बिहार बटालियन एनसीसी के कैडेटों ने उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लिया। एनसीसी कैडेटों ने बिहारशरीफ के विभिन्न मोहल्लों और बस्तियों में घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई और अभिभावकों को इसके महत्व के प्रति जागरूक किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने बच्चों को अनिवार्य रूप से पोलियो की खुराक दिलाएं और इस राष्ट्रीय जनस्वास्थ्य अभियान में सहयोग करें।

अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों और एनसीसी कैडेटों के बीच बेहतर समन्वय देखने को मिला। सभी ने मिलकर यह सुनिश्चित किया कि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रह जाए। अभिभावकों ने भी अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया और एनसीसी कैडेटों तथा स्वास्थ्य कर्मियों के प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर एएनओ सूबेदार, 38 बिहार बटालियन के बड़ा बाबू उमाशंकर प्रसाद सहित सिविल स्टाफ की भूमिका भी सराहनीय रही। सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वास्थ्य कर्मियों और कैडेटों के सामूहिक प्रयास से यह अभियान प्रभावी रूप से आगे बढ़ रहा है।

पल्स पोलियो अभियान के माध्यम से समाज को यह संदेश दिया गया कि स्वस्थ भविष्य के लिए पोलियो मुक्त समाज अत्यंत आवश्यक है। एनसीसी कैडेटों की सक्रिय सहभागिता ने न केवल अभियान को मजबूती दी, बल्कि आम लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई।

भागनबिगहा थाना क्षेत्र में 76 किलो गांजा बरामद, दो गिरफ्तार किए गए

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। भागनबिगहा थाना क्षेत्र में मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। 21 दिसंबर की रात्रि लगभग 2:30 बजे भागनबिगहा थाना को गुप्त सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के मुसेपुर गांव में सन्दु यादव के खलिहान में भारी मात्रा में गांजा छुपाकर रखा गया है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष ने वरीय पदाधिकारियों को अवगत कराया तथा छापेमारी के लिए दंडाधिकारी को साथ चलने का अनुरोध किया।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और खलिहान की घेराबंदी की। इसी दौरान एक व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगा, जबकि दूसरा खलिहान में छिपने की कोशिश कर रहा था। पुलिस बल के सहयोग से दोनों को मौके पर ही पकड़ लिया गया। पूछताछ में एक व्यक्ति ने अपना नाम मनोज यादव, पिता सुरेश यादव, निवासी खरूआरा, थाना चेरो, जिला नालंदा बताया। दूसरे ने अपना नाम सन्दु यादव, पिता रामबली यादव, उम्र लगभग 30 वर्ष, निवासी मुसेपुर, थाना भागनबिगहा, जिला नालंदा बताया।

कड़ाई से पूछताछ करने पर दोनों ने गांजा के अवैध कारोबार में संलिप्त होने की बात स्वीकार की। दंडाधिकारी की उपस्थिति में खलिहान की विधिवत तलाशी ली गई, जहां छुपाकर रखे गए कुल 14 बंडल गांजा बरामद किए गए, जिनका कुल वजन 76.500 किलोग्राम पाया गया। बरामद मादक पदार्थ की विधिवत जप्ती सूची तैयार की गई तथा दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया।

इस संबंध में रहुई (भागनबिगहा) थाना कांड संख्या 725/25, दिनांक 21.12.2025, धारा 8/20 (बी)(ii)(C) एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है तथा उनके आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है।

मगही आंदोलन के लिए वर्ष रहा उपलब्धियों भरा, नए संकल्प के साथ आगे बढ़ेंगे

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। मगही भाषा और संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के लिए चल रहा मगही आंदोलन वर्ष भर उपलब्धियों से भरा रहा है। उक्त बातें मगही मगध नागरिक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पारस कुमार सिंह ने कही। वे संघ की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बीते वर्ष में मगही आंदोलन ने कई महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किए हैं, जो वर्षों से चरणबद्ध तरीके से चल रहे संघर्ष का परिणाम है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि चाहे बीपीएससी के माध्यम से मगही विषय पढ़ाने के लिए शिक्षकों की नियुक्ति का मामला हो, बिहार सरकार द्वारा "मगही महोत्सव" का आयोजन हो या राजधानी पटना में "मगही हाट" के निर्माण को मंजूरी मिलना—ये सभी उपलब्धियां सरकार का ध्यान आकर्षित करने में संघ की सफलता को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में संघ की सबसे बड़ी मांग मगही भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराना है। इसके लिए केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित करने हेतु सड़क से लेकर संसद तक आवाज बुलंद करने का अभियान और तेज किया जाएगा। इस संघर्ष में युवाओं की भागीदारी को उन्होंने बेहद जरूरी बताया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष गौतम कुमार सरगम ने कहा कि हम सभी को मिलकर राष्ट्रीय अध्यक्ष के हाथों को मजबूत करना होगा। इस अवसर पर उन्होंने अपनी कविताओं से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संघ के उपदेशक डॉ. भागवत प्रसाद ने संघ की उपलब्धियों पर खुशी जाहिर करते हुए अपनी हास्य-व्यंग्य से भरपूर कविताएं सुनाईं। वहीं प्रवक्ता रविन्द्र सिंह ने सदस्यता अभियान पर जोर देते हुए गांव-गांव जाकर लोगों को जोड़ने की अपील की।

बैठक में सुनील कुमार वर्मा, अखिलेश प्रसाद सहित अन्य सदस्यों ने भी विचार रखे और आने वाले नए वर्ष में संघ को नए जोश और संकल्प के साथ मजबूत करने का संकल्प लिया।

रेड क्रॉस का साप्ताहिक स्वास्थ्य शिविर, 112 जरूरतमंदों को मिला लाभ

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। रविवार को भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा नालंदा द्वारा विस्तारित भवन श्रम कल्याण केंद्र मैदान में साप्ताहिक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य निसहाय, गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं एवं विशेषज्ञ चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध कराना रहा।स्वास्थ्य जांच शिविर में बिहारशरीफ के प्रख्यात चिकित्सकों ने विभिन्न रोगों से पीड़ित मरीजों की जांच कर उचित परामर्श एवं दवाओं की सलाह दी। शिविर में कुल 112 लाभार्थियों ने स्वास्थ्य जांच कराई। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी एवं डॉ. पंकज कुमार ने 36 बच्चों की जांच की। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिनव कुमार सिंह ने 50 मरीजों की आंखों की जांच की, जबकि फिजिशियन डॉ. इंद्रजीत कुमार ने 55 मरीजों को परामर्श दिया। दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. उदय देव रंजन ने 20 मरीजों की दंत जांच की। फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. मोहम्मद शहजाद आलम ने 15 मरीजों को परामर्श दिया। वहीं होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. गौतम कुमार एवं डॉ. रितेश कुमार ने 19 मरीजों का उपचार किया। इसके अतिरिक्त 25 लोगों की मधुमेह जांच भी की गई।शिविर में लाभार्थियों ने रेड क्रॉस सोसाइटी की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर उनके लिए अत्यंत उपयोगी हैं। रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव राजेश कुमार, कोषाध्यक्ष अरविंद पंडित, कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद अखलाक अहमद तथा आजीवन सदस्य प्रमोद पंडित, नागेंद्र कुमार, बृज बिहारी, चंद्रमणि प्रसाद, प्रो. स्वधर्म कुमार, साधु शरण प्रसाद, रवि भूषण, अरुण कुमार एवं संजय कुमार ने पंजीकरण, व्यवस्था एवं संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई।रेड क्रॉस सोसाइटी ने बताया कि यह निःशुल्क साप्ताहिक स्वास्थ्य जांच शिविर आगे भी प्रत्येक रविवार को जारी रहेगा।

अपना शहर अपना खबर
अपना नालन्दा

हिलसा में कॉमरेड विनोद मिश्र की स्मृति में संकल्प सभा आयोजित

हिलसा (अपना नालंदा)। भाकपा (माले) के पूर्व महासचिव कॉमरेड विनोद मिश्र की 27वीं स्मृति दिवस देशभर के साथ-साथ हिलसा प्रखंड क्षेत्र में भी श्रद्धा और संकल्प के साथ मनाई गई। इस अवसर पर अकबरपुर गांव में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनकी तस्वीर पर सामूहिक रूप से पुष्प अर्पित कर लाल सलाम किया। कार्यक्रम के दौरान "सांप्रदायिक-फासीवादी ताकतों को शिकस्त दो", "शहीदों के सपनों का भारत बनाओ" जैसे नारों से वातावरण गूंज उठा। दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई तथा पार्टी की केंद्रीय कमिटी द्वारा जारी संकल्प पत्र का सामूहिक पाठ किया गया।

संकल्प सभा को संबोधित करते हुए भाकपा (माले) पंचायत प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद ने कॉमरेड विनोद मिश्र के संघर्षपूर्ण जीवन और वर्तमान राजनीतिक हालात पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हालिया चुनावी सफलताओं से उत्साहित होकर केंद्र सरकार ने फासीवादी हमलों को तेज कर दिया है। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के नाम पर मतदाता सूची से नाम काटने की मुहिम चल रही है। नए श्रम कानूनों और शिक्षा के निजीकरण से मजदूरों और छात्रों पर कॉरपोरेट नियंत्रण बढ़ाया जा रहा है, जबकि संघीय ढांचे पर हमले और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को गहरा किया जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि कॉरपोरेटपरस्त नीतियों ने आम लोगों की जिंदगी संकट में डाल दी है। भाजपा-जदयू सरकार बुलडोजर राज कायम करने का प्रयास कर रही है। ऐसे समय में निर्णायक आंदोलनों के लिए पूरी ताकत एकजुट करने की जरूरत है। कॉमरेड विनोद मिश्र का सपना जनता के हाथों में वास्तविक सत्ता और नागरिकों की पूर्ण आज़ादी का था, जिसे मजबूत और विस्तारित पार्टी संगठन के माध्यम से ही पूरा किया जा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान इंकलाबी नौजवान सभा और भाकपा (माले) के साथियों को ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं बताईं, जिनमें विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन, आवास और आवास निर्माण हेतु जमीन की कमी प्रमुख रही। सभा में राजेंद्र दास, क्रांति प्रकाश, भीम बिंद, बुद्धू मांझी, कमलेश पासवान, संतोष पासवान, बाल्मीकि कुमार, कन्हैया कुमार सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

थरथरी में जदयू सदस्यता अभियान को मिला भारी जनसमर्थन, सैकड़ों ने थामा दामन

थरथरी (अपना नालंदा)। जनता दल यूनाइटेड द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान के अंतर्गत थरथरी प्रखंड में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के हजारों कार्यकर्ता, समर्थक एवं आम नागरिकों की सहभागिता ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। उत्साह और जोश से भरे इस कार्यक्रम में पार्टी की नीतियों और विचारधारा के प्रति लोगों का भरोसा स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। कार्यक्रम में पूर्व विधान पार्षद राजू यादव, जिलाध्यक्ष अरसद, मुख्य पार्षद धनंजय कुमार, थरथरी प्रखंड प्रमुख चन्द्र भूषण उर्फ छोटे सिंह, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष मो. हसन खाँ, युवा नेता विकास कुमार सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। मंच संचालन धर्मपाल उर्फ डिंपल ने प्रभावशाली ढंग से किया। सभी अतिथियों का फूल-माला एवं शॉल पहनाकर भव्य स्वागत किया गया।

नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि जदयू विकास, सामाजिक न्याय और सुशासन के सिद्धांतों पर लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास की नई दिशा तय की है, जिससे आम जनता का भरोसा पार्टी के प्रति और मजबूत हुआ है।

सदस्यता अभियान के दौरान सैकड़ों लोगों ने जदयू की सदस्यता ग्रहण की, जिससे कार्यक्रम को व्यापक जनसमर्थन मिला। कार्यक्रम का सफल आयोजन आनन्द मोहन उर्फ हप्पू कुमार, विनोद कुमार एवं सन्नी कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रफूल पटेल, रंजीत कुमार पूर्व मुखिया, युगेश्वर कुमार पूर्व मुखिया, जहेन्द्र यादव, सुभाष कुमार, मनोज कुमार, अमरेन्द्र कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

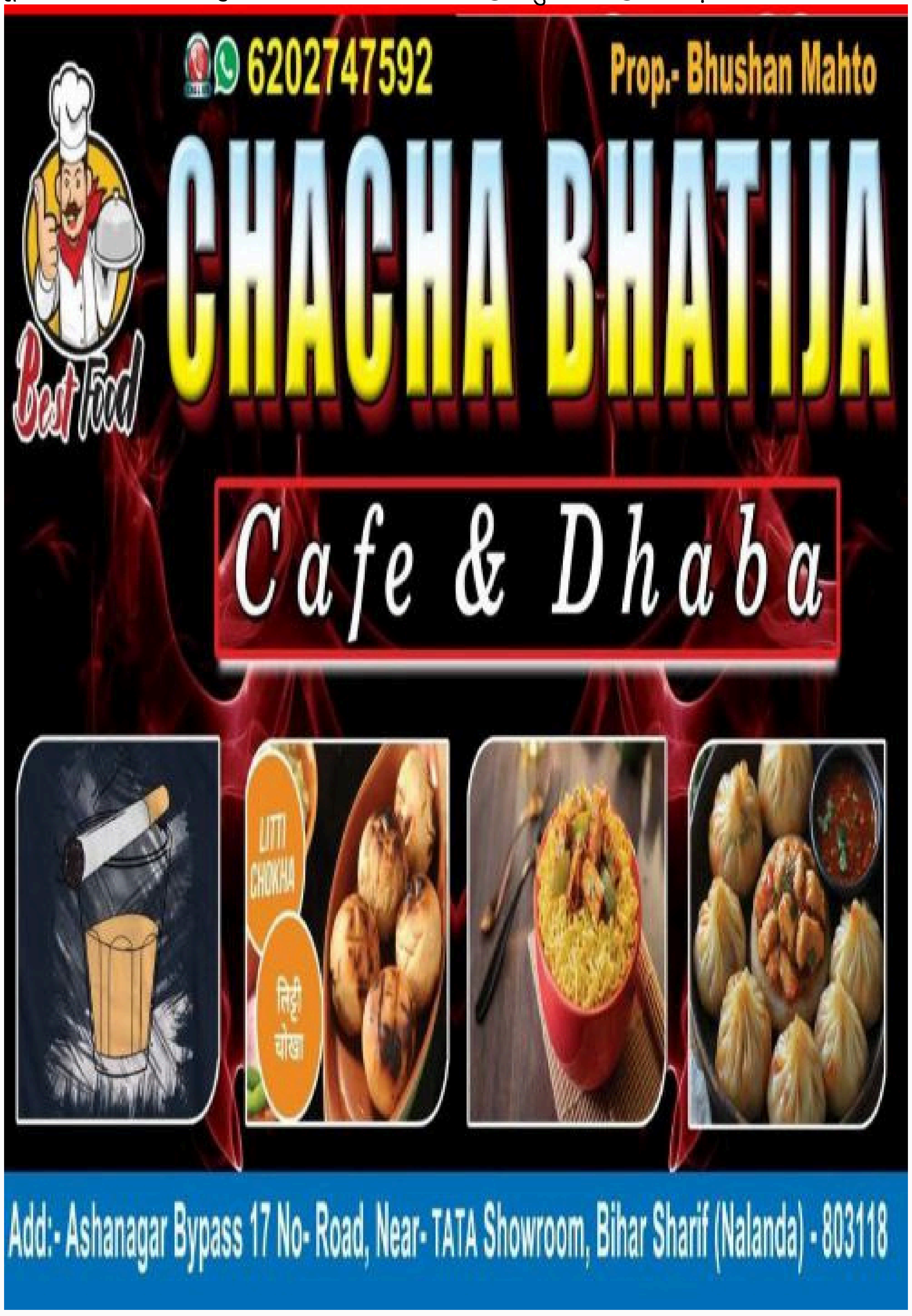

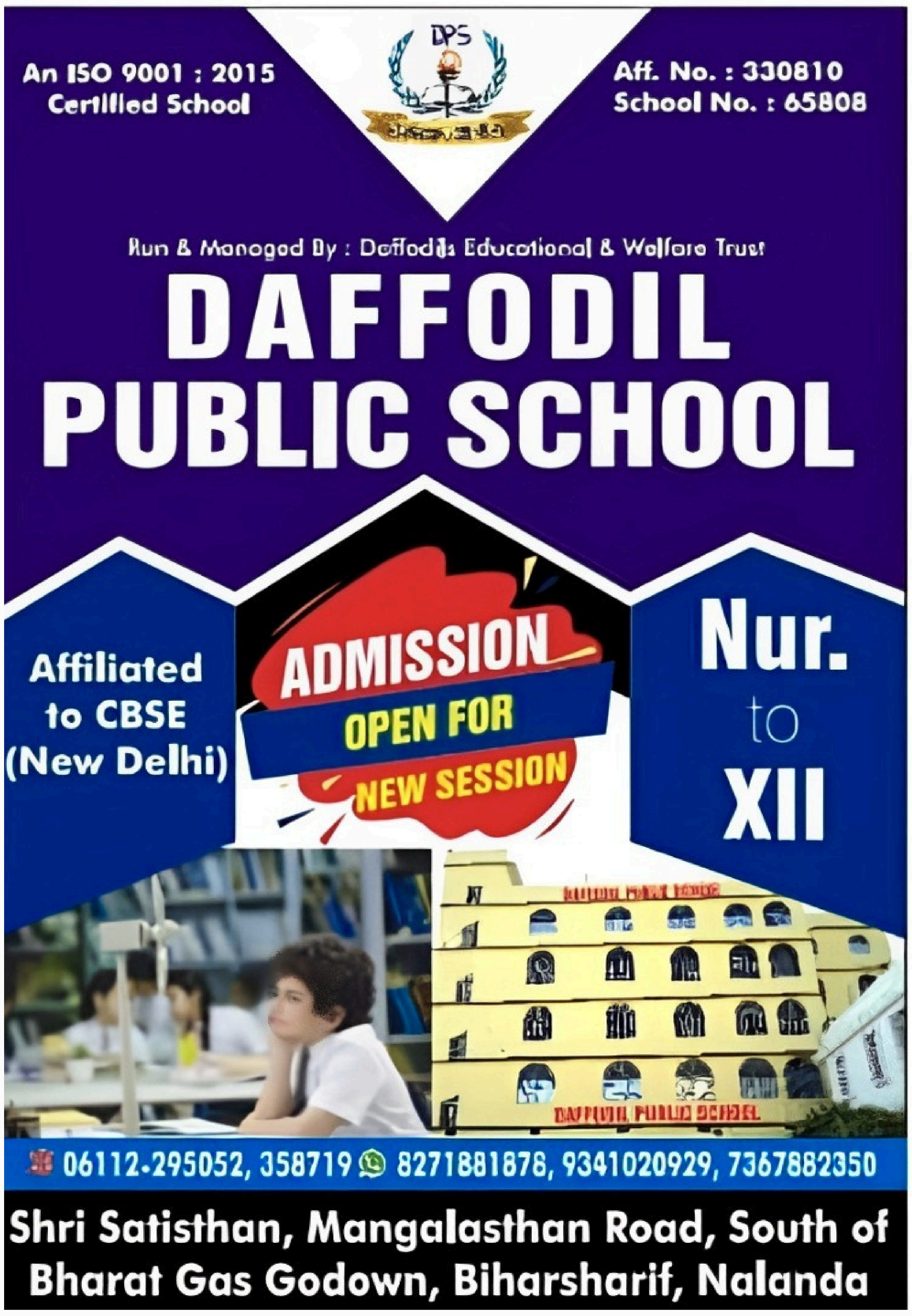

हिलसा में आम वोटर परिषद का जागरूकता शिविर, मतदाता अधिकारों पर जोर

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिले के हिलसा में आम वोटर परिषद द्वारा मतदाता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर हिलसा स्थित सूर्य मंदिर के निकट आयोजित हुआ, जिसका संचालन मुकेश कुमार ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मानवाधिकार के वरीय अधिवक्ता दिलीप कुमार सिन्हा ने की। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में अधिवक्ता दिलीप कुमार सिन्हा ने कहा कि भारतीय संविधान के अंतर्गत मतदाताओं को कई महत्वपूर्ण संवैधानिक अधिकार दिए गए हैं, जिनका महत्व वर्तमान समय में और अधिक बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि आज मतदाताओं को जागरूक रहने की सख्त जरूरत है, क्योंकि वर्तमान दौर में वोटरों के अधिकारों का लगातार हनन हो रहा है। खुलेआम मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान लाखों मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, जिससे लोग अपने मौलिक अधिकारों से वंचित हो रहे हैं।

श्री सिन्हा ने आम वोटर परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार, राष्ट्रीय महासचिव अश्वनी कुमार तथा बिहार प्रदेश संगठन अध्यक्ष अशोक कुमार को नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए इस स्वतंत्र संगठन के गठन पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आम वोटर परिषद लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

कड़ाके की ठंड के बावजूद सैकड़ों लोगों ने शिविर में भाग लेकर वक्ताओं के विचारों को गंभीरता से सुना। दिलीप कुमार सिन्हा ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार के नेतृत्व में नालंदा जिले के सभी अनुमंडलों, प्रखंडों एवं पंचायत स्तर पर जल्द ही आम वोटर परिषद द्वारा जागरूकता शिविर एवं सदस्यता अभियान चलाया जाएगा।

शिविर में रामायण राम, रिंकी देवी, रेखा देवी, अस्मिता रानी, मनोज कुमार, राजवीर कुमार, सीताराम रविदास, राजकुमार, आरती कुमारी, ऋषि सागर, अंजनी कुमार (अधिवक्ता), तिमिर लाल (अधिवक्ता), जतन मांझी सहित कई लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

नूरसराय में अस्पताल व चौराहों पर अलाव, ठंड से राहत की पहल

विजय प्रकाश उर्फ पिंटु

नूरसराय (अपना नालंदा)। बढ़ती ठंड और शीतलहर की गंभीर स्थिति को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग के तत्वावधान में जिले के सभी अंचलाधिकारियों द्वारा प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की समुचित व्यवस्था की गई है। इसी क्रम में नूरसराय प्रखंड में भी अस्पताल परिसर एवं प्रमुख चौराहों पर अलाव जलाए गए, जिससे आम लोगों को ठंड से राहत मिल सके।

प्रशासन की इस पहल का मुख्य उद्देश्य गरीब, असहाय, वृद्ध एवं जरूरतमंद लोगों को कड़ाके की ठंड से सुरक्षित रखना है। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, अस्पताल, बाजार एवं अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों को प्राथमिकता देते हुए अलाव की व्यवस्था की गई है, ताकि रात और सुबह के समय लोगों को परेशानी न हो।

सभी अंचलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि अलाव व्यवस्था की नियमित निगरानी करें तथा आवश्यकता अनुसार लकड़ी और अन्य ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करें। साथ ही यह भी कहा गया है कि अलाव लगातार जलते रहें, ताकि किसी भी स्तर पर आमजन को असुविधा का सामना न करना पड़े।नूरसराय में अस्पताल परिसर के साथ-साथ प्रमुख चौक-चौराहों पर अलाव जलाए जाने से मरीजों, उनके परिजनों, राहगीरों एवं स्थानीय लोगों को काफी राहत मिली है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि कड़ाके की ठंड में यह व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है।

प्रशासन ने बताया कि शीतलहर का प्रकोप जारी रहने तक अलाव व्यवस्था को लगातार जारी रखा जाएगा। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी अलाव की संख्या बढ़ाई जाएगी, ताकि कोई भी व्यक्ति ठंड के कारण परेशान न हो।

राजगीर महोत्सव में कृषि यंत्रीकरण मेला, आधुनिक तकनीक से रूबरू हुए किसान

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राजगीर में आयोजित राजगीर महोत्सव 2025 के तीसरे दिन कृषि यंत्रीकरण मेला-2025 का भव्य शुभारंभ किया गया। मेले का उद्घाटन ग्रामीण विकास विभाग-सह-परिवहन विभाग, बिहार के मंत्री श्रवण कुमार, नालंदा के सांसद कौशलेन्द्र कुमार तथा बिहार विधान परिषद की सदस्या रीना कुमारी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

उद्घाटन समारोह में जिलाधिकारी नालंदा कुंदन कुमार (भा.प्र.से.), उप विकास आयुक्त

श्रीकांत कुंडलिक खांडेकर (भा.प्र.से.), जिला कृषि पदाधिकारी डॉ. नितेश कुमार, उप निदेशक (कृषि अभियंत्रण) सहित कृषि विभाग के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। कृषि मेले में नालंदा जिले के साथ-साथ बाहर से आए हजारों किसान उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं और आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।

इस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष में कृषि विभाग द्वारा 91 प्रकार के कृषि यंत्रों पर 40 से 80 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच के अनुरूप कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे खेती आसान, किफायती और लाभकारी बन सके। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे मेले में उपलब्ध यंत्रों की जानकारी लें और अधिक से अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।

मेले में इस वर्ष स्थानीय निर्माताओं द्वारा तैयार ट्री शिफ्टर मशीन तथा ड्रिप-कम-बाइंडर (4 व्हील) किसानों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इसके साथ ही फसल अवशेष प्रबंधन से जुड़े विभिन्न यंत्रों की प्रदर्शनी भी किसानों के बीच खास चर्चा में रही। "खेती का सफर, हल से हाईटेक तक" शीर्षक से लगाई गई जीवंत प्रदर्शनी को किसानों और युवाओं ने काफी सराहा।

सांसद कौशलेन्द्र कुमार ने बदलते पर्यावरण पर चर्चा करते हुए कहा कि समय के साथ कृषि पद्धतियों में बदलाव जरूरी है। उन्होंने जैविक खेती अपनाने और रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से बचने की अपील की। वहीं विधान परिषद सदस्य रीना कुमारी ने किसानों से फसल अवशेष न जलाने का आग्रह करते हुए रीपर-कम-बाइंडर जैसे यंत्रों के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पराली जलाने से पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है, मिट्टी की उर्वरता घटती है और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न होती हैं।

कार्यक्रम से पूर्व अतिथियों ने सभी स्टॉल और जीवंत प्रदर्शनी का भ्रमण किया। जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने बताया कि "सफर खेती का, हल से हाईटेक तक" प्रदर्शनी में आदिम काल से लेकर आधुनिक कृषि यंत्रों, ड्रोन, स्मार्ट खेती और आईटी आधारित कृषि प्रणालियों तक की विकास यात्रा को मॉडल और चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है। भविष्य की ड्रोन, एआई और रोबोट आधारित खेती का सजीव चित्रण भी इसमें किया गया है।

जिला कृषि पदाधिकारी डॉ. नितेश कुमार ने बताया कि सात निश्चय पार्ट-3 और चतुर्थ कृषि रोडमैप के तहत किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य से यह मेला आयोजित किया गया है। कृषि यंत्रीकरण मेला-सह-प्रदर्शनी 21 से 22 दिसंबर 2025 तक चलेगा, जबकि कृषि मेला 25 दिसंबर 2025 तक आयोजित होगा। इस दौरान कुल 42 स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें 15 स्टॉल उन्नत कृषि यंत्रों के हैं तथा पांच जीवंत डेमो प्रदर्शनी भी प्रदर्शित की जा रही हैं। मेले में ड्रोन से कीटनाशी छिड़काव का प्रदर्शन भी किया गया, जिस पर 210 रुपये प्रति एकड़ अनुदान की सुविधा दी जा रही है।

साहित्यकार सुरेंद्र प्रसाद तरुण की 9 वीं पुण्यतिथि पर विशेष

लेखक : साहित्यकार राकेश बिहारी शर्मा

अपने हुनर और काम से सबको हैरान कर देनेवाली प्रतिभाएं इस दुनिया में बहुत ही कम पैदा होती हैं। इतना ही नहीं, ये प्रतिभाएं एक ऐसी अमिट छाप छोड़ जाती हैं जिसे सदियों तक मिटाना संभव नहीं है। इन्हीं अद्भुत प्रतिभाओं में से एक थे, बिहार के महान राजनेता सुरेंद्र प्रसाद तरुनजी, जिन्होंने नालन्दा ही नहीं विश्व को का

महत्वपूर्ण पहचान दिया।समरसता, निश्छलता, मधुरता, सत्यता व सक्रियता के कर्णधार थे बिहार सरकार के भूतपूर्व शिक्षा मंत्री सुरेन्द्र प्रसाद तरुण। स्व.तरुण जी ने अपना पूरा जीवन सादगी में व्यतीत किया। जब भारत अंग्रेजी हुकूमत का दंश झेल रहा था, तब 18 अगस्त 1926 को नालंदा स्थित राजगीर के पंडितपुर ग्राम में इनका जन्म हुआ। माता लक्षिया देवी व पिता भतु यादव ने कल्पना भी नहीं किया होगा कि उनके घर एक अच्छे लड़के का जन्म हुआ है। जो भविष्य में अपनी क्रियाकलापों से पूरे राज्य का नाम रोशन करेंगे। तरुण जी बाल्य काल में ही गुलामी के जंजीर से जकड़े भारत को आजाद करने के आंदोलन में कूद पड़े। पूरे देश वासियों को स्वयं की नजरों से देखा था। वहीं स्वतंत्रता संघर्ष की लड़ाई में आंदोलनकारी, क्रांतिकारी, गतिविधियों में स्वतंत्रता सेनानियों को अंग्रेजी शासन के द्वारा प्रताड़ना, यातना व बलिवेदी पर चढ़ाते भी देखा। महानायक महात्मा गांधी सरीखे सत्याग्रह के महानायक तथा भगत सिंह चंद्रशेखर आजाद आदि जैसे क्रांतिवीरों को आजादी की लड़ाई में कुर्बान होने के साक्षी रहे तरुण की प्रेरणा स्त्रोत में उक्त महान व्यक्तियों की छवि झलकती थी। वे एक अनुभव का खजाना थे। पराधीन व स्वाधीन भारत की हवा में सांस लेने का अनुभव तथा स्वराज के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले महानायकों के समकालीन रहे स्व. तरुण ने भी स्वाधीन भारत में भ्रष्टाचार व जनहित के लिए सर्वस्व त्याग दिया। जिन्होंने अपना सफर एक गांव से शुरू कर अपना भाग्य राजकीय स्तर के सिंहासन तक पहुंचाया। समयवार व नियमित रूप से राजगीर के विभिन्न लोक हित व सरकारी योजनाओं को जिस स्पष्टवादिता व अपनी बुलंद प्रखर आवाज के

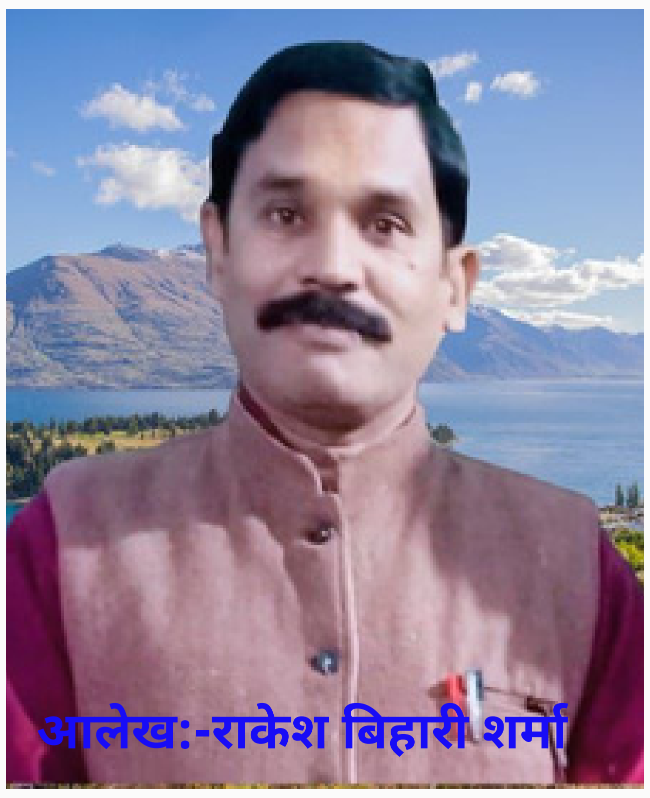

चाबुक के बल पर उन्होंने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को फटकारते क्रियान्वयन कराया। वे दो बार विधायक बने थे। पहली बार 1980 में अतरी तो दूसरी बार 1985 में हिलसा सेचुने गये थे। वे 1942 से ही कांग्रेस से जुड़े थे। तरुण जी 1972 में इंडियन कांग्रेस कमेटी के सदस्य बने थे। वहीं नालंदा जिला के कांग्रेस कमेटी के प्रथम अध्यक्ष भी बने और दस साल तक रहे। सुरेन्द्र प्रसाद तरुण जी ने राजनीति के साथ समाज को अपनी कलम से भी रास्ता दिखाया था।तरुण जी ने हिन्दुस्तान समाचार व प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया से जुड़कर पत्रकारिता की थी। उन्होंने मगध सांस्कृतिक संघ की स्थापना की थी। यही नहीं विश्व प्रसिद्ध वार्षिक राजगीर महोत्सव के आयोजन के बीज बोने में अहम भूमिका भी स्व. तरुण को ही जाता है। जिन्होंने सन 1986 में अपने मंत्रित्व काल में राजगीर महोत्सव का आयोजन तत्कालीन पर्यटन मंत्री एचकेएल भगत के सहयोग से कराकर इस आयोजन को राज्य का सर्वप्रमुख महोत्सव के नाम से अमर कर दिया। जो वर्तमान में एक मेले का भव्य रूप धारण कर चुका है। अंतरराष्ट्रीय पर्यटन नगरी आज जिस मुकाम पर है। उसमें स्व. तरुणजी के अथक प्रयास तथा मेहनत की चमक दिखाई देती है। समाज व जनहित को इनके द्वारा उठाए गए सकारात्मक कदमों से जो लाभ प्राप्त हुआ है वो अविस्मरणीय है। शायद यही वजह रही कि 2011 के आयोजित राजगीर महोत्सव के मुख्य मंच से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंच पर उपस्थित तरुण जी को राजगीर के प्राण संबोधन से सम्मानित किया था। राजगीर के भीष्म पितामह प्रखर पत्रकार व नामचीन साहित्यकार सुरेंद्र प्रसाद तरुण जी का निधन 21 दिसंबर 2016 की रात लंबी बीमारी के बाद हुआ था। उन्होंने पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल में अंतिम सांस ली।

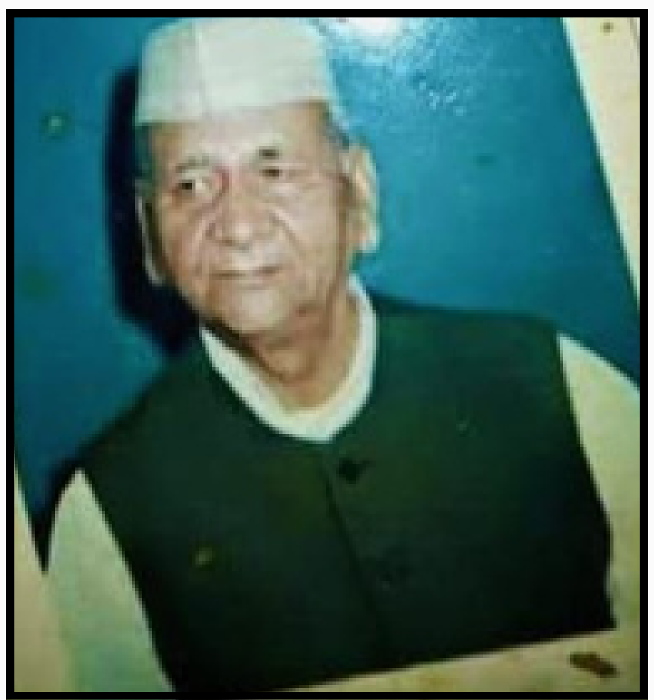

अपना नालंदा
अपना शहर अपना खबर
अपना नालन्दा

बिहारशरीफ में फोर लेन सड़क कार्य का नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहारशरीफ नगर निगम के नगर आयुक्त दीपक मिश्रा ने स्मार्ट सिटी की टीम के साथ कुशवाहा धर्मशाला के समीप निर्माणाधीन फोर लेन सड़क एवं बॉक्स कल्वर्ट कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता तथा समय-सीमा का जायजा लेना रहा।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने सड़क एवं कल्वर्ट निर्माण की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने स्मार्ट सिटी परियोजना से जुड़े अभियंताओं और संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्य में तेजी लाने पर जोर दिया। नगर आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं।

उन्होंने निर्देश दिया कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि भविष्य में आम नागरिकों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। साथ ही बॉक्स कल्वर्ट के निर्माण में तकनीकी मानकों का सख्ती से पालन करने को कहा गया। नगर आयुक्त ने यह भी कहा कि यह सड़क शहर के यातायात को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और स्मार्ट सिटी के विकास में मील का पत्थर साबित होगी।स्मार्ट सिटी टीम के अभियंताओं ने नगर आयुक्त को कार्य की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया और जल्द ही निर्माण कार्य पूरा करने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने भी उम्मीद जताई कि सड़क निर्माण पूरा होने के बाद आवागमन में काफी सुविधा होगी।

नगर निगम प्रशासन ने कहा कि शहर के विकास कार्यों की नियमित समीक्षा की जा रही है और जनता को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है।

इस्लामपुर में पॉश एक्ट पर विधिक जागरूकता शिविर, महिलाओं को बताए अधिकार

इस्लामपुर (अपना नालंदा)। इस्लामपुर प्रखंड के बेशवक पंचायत अंतर्गत वीरा विगहा प्राथमिक विद्यालय में बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, नालंदा जिला विधिक सेवा प्राधिकार एवं हिलसा अनुमंडलीय/तालुका विधिक सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का विषय कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (प्रतिषेध, निषेध एवं निवारण) अधिनियम 2013 रहा।

शिविर का आयोजन नालंदा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के जिला जज सह अध्यक्ष गुरुविन्दर सिंह मलहोत्रा, सचिव राजेश कुमार गौरव, हिलसा तालुका विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष सह एडीजे आलोक कुमार पाण्डेय एवं सचिव सह एसडीजेएम शोभना स्वेतांकी के संयुक्त निर्देशन में संपन्न हुआ।

परिचय सत्र में पीएलवी आलोक कुमार ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार के गठन, उद्देश्य एवं निःशुल्क कानूनी सहायता, लोक अदालत, सुलह-समझौता व मध्यस्थता की जानकारी दी। पैनल अधिवक्ता विजय कुमार ने पॉश एक्ट 2013 की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह कानून महिलाओं के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और भयमुक्त कार्यस्थल सुनिश्चित करता है। उन्होंने यौन उत्पीड़न की परिभाषा, शिकायत समिति के गठन, शिकायत की समय-सीमा, जांच प्रक्रिया तथा पीड़िता के अधिकारों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि शारीरिक संपर्क, अश्लील बातें, संदेश, वीडियो या ऑनलाइन माध्यम से किया गया कृत्य भी यौन उत्पीड़न की श्रेणी में आता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य एवं स्थानीय महिलाएं उपस्थित रहीं। शिविर का उद्देश्य महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक कर न्याय तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना

पंचायत चुनाव 2026 से पहले आरक्षण निर्धारण कि ख़बर से हरनौत प्रखंड की गांव-गांव में राजनीति गरमाई

हरनौत (अपना नालंदा)। पंचायत चुनाव 2026 को लेकर हरनौत प्रखंड की गांव-गांव की राजनीति में उबाल आ गया है। राज्य निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि पंचायत चुनाव दिसंबर 2026 से पहले कराए जाएंगे। इससे पूर्व पंचायतों के सभी पदों पर आरक्षण का निर्धारण नए सिरे से किया जाएगा, ताकि संवैधानिक प्रावधानों का पूर्ण रूप से पालन हो सके। इसी संभावित बदलाव को लेकर प्रखंड की सभी पंचायतों में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है।

हरनौत प्रखंड में कुल 489 पदों पर चुनाव होना है। इनमें 16 मुखिया, 216 वार्ड सदस्य, 23 पंचायत समिति सदस्य, 2 जिला परिषद सदस्य, 16 ग्राम कचहरी सरपंच तथा 216 पंच शामिल हैं। प्रखंड में सबसे अधिक वार्ड सदस्य नेहुसा पंचायत में हैं, जबकि सबसे कम मुढ़ारी पंचायत में बताए जा रहे हैं। आरक्षण की नई व्यवस्था लागू होने के बाद कई वर्तमान जनप्रतिनिधियों की राजनीतिक स्थिति बदल सकती है। जो पद अब तक महिला या किसी विशेष वर्ग के लिए आरक्षित थे, उनके अनारक्षित होने की संभावना जताई जा रही है।

ग्रामीण इलाकों में चर्चा है कि आरक्षण बदलते ही कौन नेता अपनी सत्ता बचा पाएगा और कौन केवल मसोस कर रह जाएगा, यह कहना मुश्किल है। कई पंचायतों में संभावित प्रत्याशी अभी से अपने उत्तराधिकारी उतारने की रणनीति में जुट गए हैं। वहीं कुछ पंचायतों में यह भी आरोप है कि पंचायत कार्यालयों का संचालन 'रिमोट कंट्रोल' से होता है और कई जनप्रतिनिधियों को पंचायत भवन में होने वाले दैनिक कार्यों की भी पूरी जानकारी नहीं है। कई ग्रामीणों को तो अपने पंचायत प्रतिनिधि का नाम और चेहरा तक मालूम नहीं है।

यदि वर्ष 2021 के पंचायत चुनाव की बात करें तो जिला परिषद क्षेत्र संख्या 20 अनुसूचित जाति (अन्य) तथा क्षेत्र संख्या 21 पिछड़ा वर्ग (महिला) के लिए आरक्षित था। मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच और पंच पदों पर भी अलग-अलग पंचायतों में अनारक्षित, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग और महिला आरक्षण लागू है। पंचायत समिति के 23 पदों में विभिन्न पंचायतों में एक से तीन तक सीटें निर्धारित हैं, जिनका आरक्षण अलग-अलग वर्गों में है।

सरपंच पदों में भी वर्तमान में कई पंचायतों में अनारक्षित (महिला), अनुसूचित जाति (महिला/अन्य) और पिछड़ा वर्ग (अन्य) का आरक्षण लागू है। आगामी चुनाव में आरक्षण बदलने की आशंका से राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल सकते हैं।

इस संबंध में हरनौत के बीडीओ डॉ. पंकज कुमार ने कहा कि जब तक राज्य निर्वाचन आयोग से आधिकारिक पत्र प्राप्त नहीं होता है, तब तक आरक्षण को लेकर किसी प्रकार की टिप्पणी करना संभव नहीं है।

कुल मिलाकर पंचायत चुनाव 2026 से पहले आरक्षण निर्धारण ने हरनौत प्रखंड की राजनीति को गर्मा दिया है और आने वाले महीनों में गांव-गांव में राजनीतिक गतिविधियां और तेज होने की पूरी संभावना है।

कड़ाके की ठंड में अंचलाधिकारी ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

थरथरी (अपना नालंदा)। कड़ाके की ठंड को देखते हुए स्थानीय अंचल कार्यालय परिसर में अंचलाधिकारी चेतना कुमारी द्वारा दिव्यांग महिलाओं एवं असहाय गरीब लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया। ठंड से बचाव के उद्देश्य से किए गए इस मानवीय पहल में लगभग दस चिन्हित जरूरतमंदों को कंबल प्रदान किए गए।अंचलाधिकारी चेतना कुमारी ने बताया कि कंबल वितरण के दौरान दिव्यांग शोभा कुमारी, मखोली केवट सहित अन्य गरीब एवं दिव्यांग व्यक्तियों को सहायता दी गई। उन्होंने कहा कि ठंड के इस मौसम में जरूरतमंदों की मदद प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि कोई भी व्यक्ति ठंड के कारण परेशान न हो। उन्होंने आगे बताया कि आने वाले दिनों में भी क्षेत्र के अन्य गरीब, असहाय एवं दिव्यांग लोगों को चिन्हित कर कंबल वितरण की योजना जारी रखी जाएगी। कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे पर राहत और संतोष देखने को मिला। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

कड़ाके की ठंड से 40 वर्षीय युवक की मौत, कतरीडीह गांव में मातम

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)। कतरीसराय प्रखंड क्षेत्र के कतरीडीह गांव में रविवार को कड़ाके की ठंड लगने से एक 40 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव निवासी स्वर्गीय कृष्ण राम के पुत्र मुकेश कुमार के रूप में की गई है। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई है।

परिजनों के अनुसार, रविवार की सुबह अचानक मुकेश कुमार की तबीयत बिगड़ने लगी। अत्यधिक ठंड के कारण उसकी हालत तेजी से गंभीर हो गई और वह बेहोश हो गया। घबराए परिजन उसे तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कतरीसराय लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। स्थिति नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए विम्स पावापुरी रेफर कर दिया।परिजन एंबुलेंस से मुकेश कुमार को विम्स पावापुरी ले जा रहे थे, लेकिन दुर्भाग्यवश अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उसकी मौत हो गई। युवक की असमय मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर में कोहराम मचा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आजीवन वामपंथी मोहन प्रसाद के निधन पर माले नेताओं ने जताया शोक

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। आजीवन वामपंथी विचारधारा से जुड़े रहे मोहन प्रसाद के असामयिक निधन पर भाकपा माले की ओर से गहरा शोक व्यक्त किया गया है। इस संबंध में भाकपा माले बिहार राज्य कमेटी सदस्य सह नालंदा जिला सचिव सुरेन्द्र राम, बिहारशरीफ प्रभारी पाल बिहारी लाल, कार्यालय सचिव नवल किशोर, बिहारशरीफ ग्रामीण प्रभारी सुनील कुमार तथा इंसाफ मंच के जिला संयोजक सरफराज अहमद खान (अधिवक्ता) ने संयुक्त बयान जारी कर दिवंगत नेता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

तेली समाज के निर्वाचित विधायकों का पटना में भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। रविवार को बिहार प्रदेश तैलिक साहू सभा के तत्वावधान में साहू समाज भवन के सभागार में तेली समाज के निर्वाचित विधायकों के सम्मान में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग एवं प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए नवनिर्वाचित विधायक रणविजय साहू ने कहा कि बिहार में तेली समाज की आबादी लगभग तीन प्रतिशत है, लेकिन इसके बावजूद लोकसभा और विधान परिषद में समाज का समुचित प्रतिनिधित्व नहीं है। उन्होंने विभिन्न राजनीतिक दलों पर तेली समाज की लंबे समय से राजनीतिक उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि समाज अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर आवाज बुलंद करे। इस अवसर पर पटना महानगर की मेयर सीता साहू ने कहा कि तेली समाज को अपनी एकता और संगठन की ताकत को पहचानने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब तक समाज संगठित होकर अपनी बात मजबूती से नहीं रखेगा, तब तक राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करना कठिन होगा।

बिहार प्रदेश तैलिक साहू सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष भूपाल भारती ने तेली समाज पर बढ़ते अपराधों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों की सुरक्षा और सम्मान के लिए ठोस पहल जरूरी है, जिसके लिए संगठन को और मजबूत किया जाना चाहिए।

समारोह में प्रदेश कोषाध्यक्ष रेखा गुप्ता, भीम साहू, शिवनंदन प्रसाद, विनय कुमार गुड्डू सहित प्रदेश के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष रणविजय साहू ने की, जबकि मंच संचालन सिमी प्रसाद ने किया। समारोह के अंत में समाज को एकजुट कर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

चेन्नई राष्ट्रीय सेमिनार में टेक्नोलॉजी बदलाव पर बिहार से प्रतिनिधि भाग लेंगे

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। "पैराडाइम शिफ्ट इन टेक्नोलॉजी: इम्पैक्ट ऑन सर्विस सेक्टर" विषय पर 24, 25 एवं 26 जनवरी 2026 को चेन्नई में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सेमिनार में बिहार से एक दर्जन से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस संबंध में निर्णय ऑल इंडिया प्रोग्रेसिव फोरम (AIPF) की बिहार राज्य समिति की बैठक में लिया गया, जो पटना में डॉ. अरुण कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में राष्ट्रीय सेमिनार की रूपरेखा, विषयवस्तु और थीम पेपर पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए ई. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि चेन्नई में प्रस्तावित सेमिनार में सेवा क्षेत्र पर तकनीकी बदलावों के प्रभाव, रोजगार की प्रकृति, कौशल विकास, डिजिटल अर्थव्यवस्था और भविष्य की चुनौतियों जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर गहन विमर्श किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बैठक में उपस्थितसभी सदस्यों ने थीम पेपर पर अपने-अपने विचार रखे और इसे और अधिक समृद्ध बनाने के सुझाव दिए।

बैठक में डॉ. अरुण कुमार, ई. सुनील कुमार सिंह, डी.पी. यादव, प्रो. अरुण गौतम, अजय कुमार, सुमंत, हरिदेव ठाकुर, उदयन राय, गजनफर नवाब, अमरनाथ, नवेंदु प्रियदर्शी, प्रो. प्रणव शेखर, अशोक कुमार सिन्हा तथा मनोज कुमार सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

यह भी निर्णय लिया गया कि आगामी 3 जनवरी 2026 को एआईपीएफ, बिहार राज्य समिति की अगली बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत किए जाने वाले शोध पत्रों पर विस्तार से विमर्श होगा।उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय प्रगतिशील फोरम एक ऐसी संस्था है, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समकालीन तथा उभरती समस्याओं पर देश के विभिन्न हिस्सों में बैठक, गोष्ठी और सेमिनार आयोजित कर उनके समाधान की दिशा में पहल करती रही है।

बेंगलुरु में बिहार @2047 विज़न कॉन्क्लेव, निवेशकों को उद्योग मंत्री का संदेश

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में रविवार को आयोजित "बिहार @2047 विज़न कॉन्क्लेव (सीज़न-3)" में बिहार के उद्योग मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने देश के विभिन्न हिस्सों से आए निवेशकों और उद्योग प्रतिनिधियों को संबोधित किया। यह कार्यक्रम #LetsInspireBihar अभियान के अंतर्गत ऑक्सफोर्ड कॉलेज के सभागार में आयोजित किया गया।

अपने संबोधन में उद्योग मंत्री ने बिहार की निवेश-अनुकूल औद्योगिक नीतियों, बेहतर आधारभूत संरचना, कुशल एवं युवा मानव संसाधन तथा राज्य में उपलब्ध उभरते औद्योगिक अवसरों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बिहार आज तेजी से उद्योग और निवेश के क्षेत्र में उभरता हुआ राज्य बन रहा है। सरकार द्वारा उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सरल नीतियां, सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम, स्टार्टअप प्रोत्साहन योजनाएं और विशेष औद्योगिक प्रोत्साहन पैकेज लागू किए गए हैं।डॉ. जायसवाल ने कहा कि कृषि आधारित उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण, टेक्सटाइल, आईटी, लॉजिस्टिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में बिहार में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने निवेशकों से आह्वान किया कि वे बिहार की विकास यात्रा में सहभागी बनें और राज्य में निवेश कर रोजगार सृजन तथा आर्थिक समृद्धि में योगदान दें।कॉन्क्लेव के दौरान उपस्थित उद्योगपतियों, उद्यमियों एवं कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों को यह संदेश दिया गया कि मजबूत औद्योगिक आधार, नवाचार को प्रोत्साहन देने वाली नीतियों और निवेश के नए अवसरों के साथ बिहार वर्ष 2047 तक एक समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित राज्य बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम के माध्यम से बिहार को निवेश के एक विश्वसनीय और संभावनाशील गंतव्य के रूप में प्रस्तुत किया गया।

हिन्दी केवल अंग्रेज़ी का स्थान चाहती है, अन्य भाषाओं का नहीं: साहित्यकार

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। हिन्दी देश की किसी भी दूसरी भारतीय भाषा का नहीं, बल्कि केवल अंग्रेज़ी का स्थान चाहती है, जो वास्तव में हिन्दी का ही स्वाभाविक स्थान है। यह दुर्भाग्य और लज्जा का विषय है कि एक स्वतंत्र राष्ट्र में आज भी उस भाषा का व्यापक प्रभुत्व बना हुआ है, जिसने लंबे समय तक देश को गुलाम बनाए रखा। जब तक देश की एक भाषा प्रत्येक नागरिक की साझा बोली नहीं बनेगी, तब तक इस वैश्विक लज्जा से मुक्ति संभव नहीं है। इन विचारों के साथ हिन्दी को शीघ्र राष्ट्रभाषा का स्थान दिलाने के संकल्प के साथ बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन का दो दिवसीय 44वां महाधिवेशन भव्य रूप से संपन्न हुआ।

महाधिवेशन के समापन-सह-सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि राज्य उपभोक्ता संरक्षण आयोग, बिहार के अध्यक्ष न्यायमूर्ति संजय कुमार ने कहा कि हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने की दिशा में बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं। उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों से आए 50 प्रख्यात साहित्यकारों को बिहार के पुरोधा साहित्यकारों के नाम से नामित अलंकरणों से सम्मानित किया।

स्वागताध्यक्ष डॉ. राजवर्धन आज़ाद ने अतिथियों और प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश भर से आए विद्वानों ने इस महाधिवेशन को गौरवान्वित किया है और हिन्दी का सशक्त संदेश अपने-अपने प्रदेशों तक लेकर जाएंगे। सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में आयोजन से जुड़े सभी पदाधिकारियों और सदस्यों के प्रति आभार प्रकट करते हुए साहित्यकारों से महाधिवेशन में लिए गए संकल्पों को नई ऊर्जा के साथ पूरा करने का आह्वान किया।

महाधिवेशन के दौरान कई वैचारिक सत्र आयोजित हुए तथा एक विराट कवि-सम्मेलन भी संपन्न हुआ, जिसमें देश के विभिन्न प्रांतों से आए कवियों और कवयित्रियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह के अंत में हिन्दी के प्रसार और राष्ट्रभाषा के संकल्प को और मजबूत करने का आह्वान किया गया।